DAINIK BHASKAR (18.11.2016)

योजना | विश्वविद्यालय की कार्यकारिणी परिषद की बैठक में यह जानकारी दी गई

वाईएमसीए बीटेक सिविल सहित कई नए पाठ्यक्रम लाने की तैयारी में

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की कार्यकारिणी परिषद की बैठक गुरुवार को हुई। इसमें कैंपस में 50 करोड़ रुपए से अधिक की नई ढांचागत विकास परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अंतर्गत नए प्रशासनिक खंड, अकादमिक खंड, बालिका छात्रावास व कर्मचारियों के लिए आवासीय खंड का निर्माण शामिल है। बैठक में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) की प्रस्तुत रिपोर्ट की भी समीक्षा की गई। नैक द्वारा विश्वविद्यालय को ग्रेड 'ए' मान्यता प्रदान की गई है। इसमें बीटेक सिविल सहित नए पाठ्यक्रम लाने पर विचार किया गया।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार के अनुसार नैक के प्रथम चक्र मूल्यांकन में ग्रेड ए मान्यता हासिल करना बड़ी उपलब्धि है। नया प्रशासनिक खंड छह मंजिला होगा। इसके निर्माण पर लगभग 18 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इसी प्रकार पांच मंजिला अकादमिक विज्ञान खंड के निर्माण पर 12 करोड़ रुपए, पांच मंजिला बालिका छात्रावास के निर्माण पर 8.5 करोड़ रुपए तथा कर्मचारियों के लिए नौ मंजिला आवासीय खंड के निर्माण पर 17 करोड़ रुपए की लागत आएगी। यह निर्माण कार्य लगभग दो वर्ष की अवधि में पूरा कर लिया जाएगा। विश्वविद्यालय के विस्तार के लिए फरीदाबाद एवं आसपास जमीन की तलाश की जा रही है। जिससे विश्वविद्यालय का नया कैंपस बनाया जा सके।

विकास योजनाओं के लिए 50 करोड़ रुपए की स्वीकृति बैठक में दी गई

फरीदाबाद. पत्रकारों से बातचीत करते कुलपति दिनेश कुमार।

एनबीए के लिए किया आवेदन : नैक की मान्यता के उपरांत विश्वविद्यालय अब राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) की मान्यता के लिए आवेदन करेगा। एनबीए मान्यता से इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को वैश्विक स्तर पर स्वीकार्यता मिलेगी। छात्रों को राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर इसका लाभ होगा। विश्वविद्यालय को केन्द्रीय एवं अन्य वैश्विक अनुदान एजेंसियों से अनुदान मिलने का रास्ता भी साफ हो जाएगा। इंजीनियरिंग के नए पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना भी है। इसमें बीटेक (सिविल) प्रमुख है।

21 को चंडीगढ़ में हो रही बैठक

विश्वविद्यालय के साथ कालेजों की संबद्धता के विषय में पूछे जाने पर कुलपति ने बताया कि सरकार द्वारा इस विषय पर चर्चा के लिए 21 नवम्बर को चंडीगढ़ में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को बुलाया गया है। इसमें वाईएमसीए विश्वविद्यालय भी अपना पक्ष मजबूती से रखेगा। नैक की मान्यता मिलने के बाद विश्वविद्यालय का दावा मजबूत है।

प्लेसमेंट में बनाए नए रिकॉर्ड

कुलपति ने बताया कि गत वर्ष 86 कंपनियां प्लेसमेंट के लिए आईं। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट विभाग के माध्यम से 416 छात्रों की औसतन 3.74 लाख रुपए सालाना प्लेसमेंट हुई। उच्चतम सैलरी पैकेज 20 लाख रुपए तक गया था जबकि इस वर्ष अब तक लगभग 35 कंपनियां विश्वविद्यालय में आ चुकी हैं। इस वर्ष जारी प्लेसमेंट अभियान में 215 से अधिक छात्रों की प्लेसमेंट हो चुकी है। इसमें उच्चतम सैलरी पैकेज 15.5 लाख रुपए रहा है।

DAINIK JAGRAN (18.11.2016)

50 करोड़ से होगा वाईएमसीए विश्वविद्यालय का विस्तार

कर्मचारियों के लिए होगा नौ मंजिला आवासीय खंड का निर्माण

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : कार्यकारिणी परिषद ने वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विस्तार के लिए 50 करोड़ रुपये की ढांचागत परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इसमें छह मंजिला प्रशासनिक खंड, पांच मंजिला अकादमिक खंड, पांच मंजिला बालिका छात्रावास तथा कर्मचारियों के लिए नौ मंजिला आवासीय खंड शामिल है। यह निर्माण कार्य दो साल में पूरा कर लिया जाएगा।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने परिषद बैठक के बाद बताया कि विश्वविद्यालय के हाल ही में नेशनल एसेसमेंट एंड एक्रिडेशन काउंसिल (नैक) से ए ग्रेड विश्वविद्यालय की मान्यता मिली है, जो बड़ी उपलब्धि है। विश्वविद्यालय के विस्तार के लिए फरीदाबाद एवं आसपास जमीन की भी तलाश की जा रही है ताकि विश्वविद्यालय का नया कैंपस बनाया जा सके।

कुलपति ने बताया कि अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) के क्षेत्र में सुधार के लिए विश्वविद्यालय बजटीय प्रावधान में अनुसंधान गतिविधियों तथा उपकरणों के लिए राज्य सरकार से 10 करोड़ रुपये की मांग करेगा। साथ ही नैक मान्यता के उपरांत विश्वविद्यालय अब राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) की मान्यता के लिए आवेदन करेगा। एनबीए मान्यता से इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्यता मिलेगी और केंद्रीय एवं अन्य वैश्विक अनुदान एजेंसियों से अनुदान का रास्ता साफ होगा।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के भूतपूर्व छात्रों की ओर से 50 लाख रुपये की लागत से विश्वविद्यालय के लिए नया द्वार बनवाया जा रहा है। जिसे ' स्वर्ण जयंती द्वार ' नाम दिया जाएगा। इस अवसर पर कुल सचिव डॉ. संजय कुमार शर्मा, प्रो. संदीप ग्रोवर भी उपस्थित रहे।

- बालिकाओं के लिए बनाया जाएगा पांच मंजिला छात्रावास
- फरीदाबाद एवं आसपास जमीन की भी तलाश की जा रही है

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार अग्रवाल वाईएमसीए विश्वविद्यालय के विस्तार के बारे में जानकारी देते हुए।

AAJ SAMAJ (18.11.2016)

'जल्द नए रंग रूप में दिखेगा वाईएमसीए विवि'

- कार्यकारिणी परिषद् की बैठक में लिए गए अहम निर्णय
- 50 करोड़ रुपए से अधिक की हैं नई परियोजनाएं

आज समाज नेटवर्क

पत्रकारवार्ता करते वाईएमसीए के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार। आज समाज

फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की कार्यकारिणी परिषद् की बैठक में विश्वविद्यालय में 50 करोड़ रुपए से अधिक की नई ढांचागत विकास योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई। इसके बाद विश्वविद्यालय नए रूप में दिखेगा और इससे विश्वविद्यालय के स्तर में गुणात्मक वृद्धि होगी। विश्वविद्यालय परिषद ने मुख्यालय को नए प्रशासनिक खंड, नए अकादमिक खण्ड, एक बालिका छात्रावास तथा कर्मचारियों के लिए आवासीय खंड का निर्माण करने की मंजूरी दी। इसके साथ ही राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) से मिले सर्टिफिकेट की भी समीक्षा की गई। हाल ही में विश्वविद्यालय को नैक द्वारा 'ए' ग्रेड की मान्यता दी गई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने विश्वविद्यालय का नया प्रशासनिक खंड छह मंजिला होगा, जिस पर लगभग 18 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इसी प्रकार, पांच मंजिला अकादमिक विज्ञान खण्ड के निर्माण पर 12 करोड़ रुपए, पांच मंजिला बालिका छात्रावास के निर्माण पर 8.5 करोड़ रुपए तथा कर्मचारियों के लिए नौ मंजिला आवासीय खंड के निर्माण पर 17 करोड़ रुपए की लागत आएगी।

यह निर्माण कार्य लगभग दो वर्षों की अवधि में पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने खुलासा किया कि विश्वविद्यालय के विस्तार के लिए फरीदाबाद एवं आसपास जमीन की तलाश की जा रही है ताकि विश्वविद्यालय का नया कैंपस बनाया जा सके। विश्वविद्यालय राज्य सरकार से अनुसंधान सुविधाओं को बढ़ावा देने के लिए 10 करोड़ रुपए की मांग करेगा।

इसके अलावा नैक मान्यता के उपरांत विश्वविद्यालय अब राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) की मान्यता के लिए आवेदन करेगा। एनबीए मान्यता से इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को शैक्षिक स्तर पर स्वीकार्यता मिलेगी और विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसका लाभ होगा। इस अवसर पर कुल सचिव डॉ. संजय कुमार शर्मा तथा संकायाध्यक्ष, संस्थान प्रो. संदीप ग्रोवर भी उपस्थित थे।

HINDUSTAN (18.11.2016)

वाईएमसीए में जल्द नया छात्रावास और कर्मचारी आवास बनेगा

तोहफा

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में छात्राओं को नए होस्टल का तोहफा मिलेगा। इसके बाद आने वाले सत्र में दूर-दराज के इलाकों से दाखिला लेने वाली छात्राओं को संस्थान में ही आवास की सुविधा मिल सकेगी।

संस्थान की कार्यकारिणी परिषद् की गुरुवार को हुई बैठक में इस बात की जानकारी दी गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय ने ढांचात्मक विकास के लिए परियोजना तैयार की है। इसके तहत छात्रावास को वरीयता दी गई है। कुलपति ने बताया कि फिलहाल संस्थान के होस्टल में कुल 250 कमरें हैं। इनमें से छात्राओं के लिए 90 कमरें हैं।

छात्राओं की सहूलियत के लिए छात्रावास की योजना तैयार की गई है। कुलपति ने जानकारी दी कि राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) ने विश्वविद्यालय को ए ग्रेड दिया है। अब संस्थान राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) की मान्यता के लिए आवेदन करेगा। इससे इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को वैश्विक स्तर पर स्वीकार्यता मिलेगी। मौके पर कुल सचिव डॉ. संजय कुमार शर्मा और संकायाध्यक्ष संस्थान प्रो. संदीप ग्रोवर भी उपस्थित रहे।

प्रशासनिक खंड की छह मंजिला बिल्डिंग बनेगी

योजना के मुताबिक विकास की परियोजनाओं के लिए 50 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसके तहत छात्रावास, प्रशासनिक खंड, अकादमिक खंड और कर्मचारियों के लिए आवासीय खंड का निर्माण होगा। प्रशासनिक खंड की छह मंजिला बिल्डिंग का निर्माण 18 करोड़ रुपये से होगा। साइंस विभाग के लिए 12 करोड़ की लागत से पांच मंजिला बिल्डिंग बनेगी। छात्रावास के लिए 8.5 करोड़ रुपये और कर्मचारी आवासीय खंड के लिए 17 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

सुविधा	कई नए कोर्स शुरू किए जाएंगे
• फिलहाल होस्टल में कुल 250 कमरें हैं, इनमें से छात्राओं के लिए 90 कमरें रखे गए हैं • सत्र में दूर-दराज से दाखिला लेने वाले छात्रों को आवास की सुविधा मिल सकेगी	इस सत्र में संस्थान में एमएससी इन कैमिस्ट्री, एमएससी इन इनवायरमेंट साइंस, एमए (जर्नलिज्म एवं मास कम्युनिकेशन) कोर्स शुरू किए गए हैं। आने वाले सत्र से विश्वविद्यालय में बीटेक (सिविल) कोर्स भी शुरू किया जाएगा। इसके अलावा संस्थान के पूर्व छात्र संघ के सहयोग से मुख्य द्वार का निर्माण किया जाएगा। इसका नाम स्वयर्ण जयंती द्वार रखा जाएगा।

कम्यूनिटी कॉलेज में चार नए पाठ्यक्रमों को स्वीकृति

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत विश्वविद्यालय की ओर से चल रहे कम्यूनिटी कॉलेज में चार नए पाठ्यक्रमों को शुरू करने की स्वीकृति मिली है। इसके तहत यहां अब लैथ ऑपरेटर, एयर कंडिशनिंग (तकनीशियन), असिस्टेंट इलेक्ट्रीशियन और आईटी कोऑर्डिनेटर कोर्स भी शुरू होंगे। सभी कोर्सों में 25 सीटें होंगी और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों की अवधि 250 घंटे की रहेगी। इससे कई बच्चे लाभांवित होंगे।

AMAR UJALA (18.11.2016)

वाईएमसीए से जुड़ सकते हैं कई इंजीनियरिंग कॉलेज

मुकेश शर्मा
फरीदाबाद।

यदि सब कुछ ठीक रहा तो वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय से आसपास के छह जिलों के इंजीनियरिंग कॉलेज जुड़ जाएंगे। 21 नवंबर को इसी मुद्दे पर तकनीकी शिक्षा विभाग के मुख्य सचिव अनिल चौधरी के साथ छह कुलपतियों की मीटिंग होनी है। वाईएमसीए विश्वविद्यालय को नैक द्वारा 'ए ग्रेड मिलने के बाद दावा और मजबूत हो गया है। नैक ग्रेडिंग के बाद विश्वविद्यालय ने फोकस एनबीए ग्रेडिंग पर कर रखा है। जिसके लेकर तैयारियां जोरों पर हैं।

बता दें अभी तक फरीदाबाद समेत पलवल, गुड़गांव, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़ जिलों के तकनीकी कॉलेजों के हजारों छात्रों को अपने काम के लिए महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) भागना पड़ता है। दिसंबर 2007 में वाईएमसीए को विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया। लेकिन नौ साल

नैक से मिले 'ए ग्रेड के बाद एनबीए पर फोकस

बाद भी विश्वविद्यालय के अधीन न कोई कॉलेज है और ना ही पूरे संसाधन। विश्वविद्यालय में अभी तक कुल 3000 विद्यार्थी विभिन्न संकायों में अध्ययन कर रहे हैं।

'ए ग्रेड से बंधी उम्मीद : सूत्रों की मानें तो भाजपा सरकार वाईएमसीए सहित अन्य विश्वविद्यालय को कैंपस विश्वविद्यालय न बनाकर प्रदेश भर के कॉलेज बांटना चाहती है। जिसके बारे में उच्चाधिकारियों में सहमति बन गई है। पिछले दिनों वाईएमसीए को मिले 'ए ग्रेड से उम्मीद और बंध गई है। गुरुग्राम, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, पलवल, फरीदाबाद और झज्जर जिलों के सौ से ज्यादा इंजीनियरिंग कॉलेज वाईएमसीए से जुड़ सकते हैं। इन कॉलेजों के यूनिवर्सिटी में संबंद्धित होने से जहां विश्वविद्यालय के विकास को पंख लगेंगे। वहीं छात्रों की संख्या बढ़ने से बजट राशि में बढ़ोतरी होगी। यूनिवर्सिटी अपने विकास में भी कुछ कर सकेगी।

यह प्रदेश सरकार के अधीनस्थ मामला है। लेकिन, यदि ऐसा होता है तो निर्णय शिक्षा के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। लाखों विद्यार्थियों के साथ यूनिवर्सिटी का भी विकास होगा। हम इस निर्णय के क्रियान्वयन के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

-प्रो. दिनेश अग्रवाल, कुलपति, वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय

क्या है एनबीए

नैक ग्रेडिंग के बाद विश्वविद्यालय ने अपना फोकस नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रीडेशन (एनबीए) ग्रेडिंग पर कर रखा है। अगर यहां से भी ग्रेडिंग मिल जाती है तो विश्वविद्यालय को वर्ल्ड बैंक की ओर से ग्रांट मिलनी शुरू हो जाएगी। इसे लेकर तैयारियां जोरों पर हैं।

वाईएमसीएस में बनेंगे चार ब्लॉक

बल्लभगढ़ (ब्यूरो)। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद की बैठक बृहस्पतिवार को कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की अध्यक्षता में हुई। कार्यकारिणी परिषद ने विश्वविद्यालय में 50 लाख रुपये में छह मंजिला प्रशासनिक ब्लॉक, पांच मंजिला अकादमिक, पांच मंजिला गर्ल्स हॉस्टल और नौ मंजिला स्टाफ क्वार्टर के निर्माण को मंजूरी दी। बैठक के बाद कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के विस्तार के लिए फरीदाबाद व पलवल में करीब 150 एकड़ जमीन तलाशी जा रही है।

PUNJAB KESARI (18.11.2016)

वाईएमसीए को ढांचागत विकास के लिए मिले 50 करोड़

फरीदाबाद, (नवीन धमीजा): वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्याल फरीदाबाद की कार्यकारिणी परिषद् की बैठक में विश्वविद्यालय में 50 करोड़ रुपये से अधिक की नई ढांचागत विकास की परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई, जिसके अंतर्गत नये प्रशासनिक खण्ड, नये अकादमिक खण्ड, एक बालिका छात्रावास तथा कर्मचारियों के लिए आवासीय खण्ड का निर्माण शामिल हैं। इसके अलावा, बैठक में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) की प्रस्तुत रिपोर्ट की भी समीक्षा की गई। नैक द्वारा विश्वविद्यालय को ग्रेड 'ए' मान्यता प्रदान की गई है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने आज यहां कार्यकारिणी परिषद् बैठक के बाद एक पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए दी। कुलपति ने कहा कि नैक के प्रथम चक्र मूल्यांवन में ग्रेड 'ए' मान्यता हासिल करना बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने राज्यपाल-कुलाधिपति प्रो. कसान सिंह सोलंकी तथा मुख्यमंत्री मनोहर लाल का मार्गदर्शन एवं सरकार के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कुल सचिव डॉ. संजय कुमार शर्मा तथा संकायाध्यक्ष व संस्थान प्रो. संदीप ग्रोवर भी उपस्थित थे।

HARI BHOOMI (18.11.2016)

विवि में करोड़ों से होंगे कार्य

चंडीगढ़। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद की कार्यकारिणी परिषद् की बैठक में विश्वविद्यालय में 50 करोड़ रुपये से अधिक की नई ढांचागत विकास की परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई, जिसके अंतर्गत नये प्रशासनिक खण्ड, नये अकादमिक खण्ड, एक बालिका छात्रावास और कर्मचारियों के लिए आवासीय खण्ड का निर्माण शामिल हैं। इसके अलावा, बैठक में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) की प्रस्तुत रिपोर्ट की भी समीक्षा की गई। नैक द्वारा विश्वविद्यालय को ग्रेड 'ए' मान्यता प्रदान की गई है। यह जानकारी कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने परिषद की बैठक में दी।

PUNJAB KESARI (18.11.2016)

वाईएमसीए को नैक से 'ए' ग्रेड मिलने से बढ़ी उम्मीद

फरीदाबाद, 17 नवम्बर (पंकेस): यदि सबकुछ ठीक रहा तो वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय से आसपास के छह जिलों के इंजीनियरिंग कॉलेज जुड़ सकते है। 21 नवंबर को इसी मुद्दे पर तकनीकी विभाग के मुख्य सचिव अनिल चौधरी के साथ छह कुलपतियों की मीटिंग होनी है। वाईएमसीए विश्वविद्यालय को नैक द्वारा 'ए' ग्रेड मिलने के बाद दावा और मजबूत हो गया है।

नैक ग्रेडिंग के बाद विश्वविद्यालय ने अपना फोकस एनबीए ग्रेडिंग पर है। जिसके लेकर तैयारियां जोरों पर है। बता दें अभी तक फरीदाबाद समेत पलवल, गुड़गांव, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़ जिलों के तकनीकी कॉलेजों के हजारों छात्रों को अपने काम के लिए महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) भागना पड़ता है। दिसंबर 2007 में वाईएमसीए को विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया। लेकिन नौ साल बाद भी विश्वविद्यालय के अधीन कोई कॉलेज है और ना ही पूरे संसाधन। विश्वविद्यालय में अभी तक कुल 3000 विद्यार्थी विभिन्न संकायों से अध्ययन कर रहे हैं। सूत्रों की मानें तो भाजपा सरकार वाईएमसीए सहित अन्य विश्वविद्यालय को कैंपस विश्वविद्यालय न बनाकर प्रदेश भर के कॉलेज बांटना चाहती है।

उच्चाधिकारियों में सहमति बन गई है। पिछले दिनों वाईएमसीए को मिले 'ए' ग्रेड से उम्मीद और बंध गई है। गुरूग्राम, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, पलवल, फरीदाबाद और झज्जर जिलों के सौ से ज्यादा इंजीनियरिंग कॉलेज वाईएमसीए से जुड़ सकते है। इन कॉलेजों के यूनिवर्सिटी में संबंद्धित होने से जहां विश्वविद्यालय के विकास को पंख लगेंगे। छात्रों की संख्या बढ़ने से बजट राशि में बढ़ोतरी होगी। यूनिवर्सिटी अपने विकास में भी कुछ कर सकेगी। यह प्रदेश सरकार के अधीनस्थ मामला है।

यदि ऐसा होता है तो निर्णय शिक्षा के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा। लाखों विद्यार्थियों के साथ यूनिवर्सिटी का भी विकास होगा।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Fri, 18 November 2016
epaper.punjabkesari.in//c/14723575

स्वतंत्र विश्वमानव

हरियाणा

वाईएमसीए विश्वविद्यालय के विस्तार की नई ढांचागत परियोजनाओं को स्वीकृति मिली

फरीदाबाद। वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद की कार्यकारिणी परिषद् की बैठक में विश्वविद्यालय में 50 करोड़ रुपये से अधिक की नई ढांचागत विकास की परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई, जिसके अंतर्गत नये प्रशासनिक खण्ड, नये अकादमिक खण्ड, एक बालिका छात्रावास तथा कर्मचारियों के लिए आवासीय खण्ड का निर्माण शामिल हैं। इसके अलावा, बैठक में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) की प्रस्तुत रिपोर्ट की भी समीक्षा की गई। नैक द्वारा विश्वविद्यालय को ग्रेड 'ए' मान्यता प्रदान की गई है।

यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने आज यहां कार्यकारिणी परिषद् बैठक के बाद एक पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए दी। कुलपति ने कहा कि नैक के प्रथम चक्र मूल्यांकन में ग्रेड 'ए' मान्यता हासिल करना बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने राज्यपाल-कुलाधिपति प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी तथा मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल का मार्गदर्शन एवं सरकार के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

विश्वविद्यालय की विस्तार योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय का नया प्रशासनिक खण्ड छः मंजिला होगा, जिसके निर्माण पर लगभग 18 करोड़ रुपये की लागत आयेगी। इसी प्रकार, पांच मंजिला अकादमिक विज्ञान खण्ड के निर्माण पर 12 करोड़ रुपये, पांच मंजिला बालिका छात्रावास के निर्माण पर 8.5 करोड़ रुपये तथा कर्मचारियों के लिए नौ मंजिला आवासीय खण्ड के निर्माण पर 17 करोड़ रुपये की लागत आयेगी। यह निर्माण कार्य लगभग दो वर्षों की अवधि में पूरा कर लिया जायेगा। उन्होंने खुलासा किया कि विश्वविद्यालय के विस्तार के लिए फरीदाबाद एवं आसपास जमीन की तलाश की जा रही है ताकि विश्वविद्यालय का नया कैंपस बनाया जा सके। कुलपति ने बताया कि कार्यकारिणी परिषद् द्वारा नैक रिपोर्ट की समीक्षा में पाया गया कि विश्वविद्यालय को अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) के क्षेत्र में सुधार की आवश्यकता है, जिस पर आने वाले दिनों में बल दिया जायेगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय अपने बजटीय प्रावधान में अनुसंधान गतिविधियों तथा उपकरणों के लिए राज्य सरकार से 10 करोड़ रुपये की मांग करेगा ताकि विश्वविद्यालय में अनुसंधान सुविधाओं को बढ़ाया जा सके तथा नये सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित हो सके।

नैक मान्यता के उपरांत विश्वविद्यालय अब राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) की मान्यता के लिए आवेदन करेगा। एनबीए मान्यता से इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को वैश्विक स्तर पर स्वीकार्यता मिलेगी और विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर इसका लाभ होगा। इसके अलावा, विश्वविद्यालय को केन्द्रीय एवं अन्य वैश्विक अनुदान एजेंसियों से अनुदान मिलने का रास्ता भी साफ हो जायेगा। कुलपति ने खुलासा किया कि विश्वविद्यालय की योजना इंजीनियरिंग के नये पाठ्यक्रम शुरू करने की है, जिसमें बी.टेक (सिविल) प्रमुख है।